साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
# विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-38 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 30 अगस्त 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

# म.प्र. को जानने समझने का मिलेगा अवसर : सीएम

**■मुख्यमंत्री की अनूठी पहल - दिल्ली में पहली बार हुआ मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन**
**■मुख्यमंत्री ने किया मध्यप्रदेश उत्सव का एमपी भवन में शुभारंभ**

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, जनजातीय विरासत, पर्यटन, कला, रहन-सहन एवं विविध व्यंजन इत्यादि की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के दिल (मध्यप्रदेश) की समृद्ध, सांस्कृतिक धरोहरों से दिल्ली एवं अन्य प्रदेश के लोगों को परिचित कराने के लिये देश की राजधानी में 4 दिवसीय मध्यप्रदेश उत्सव का अनूठा आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मध्यप्रदेश उत्सव का रंगारंग शुभारंभ कर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर दिल्ली में पहली बार वृहद स्तर पर मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन किया गया है, जो 30 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उत्सव के आयोजन से दिल्लीवासियों एवं अन्य राज्यों से आये पर्यटकों को देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश की समृद्धशाली विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति सहित अन्य पहलुओं को जानने का मौका मिलेगा। आगंतुक न सिर्फ प्रदेश की समृद्ध विरासत को जानेंगे, समझेंगे बल्कि विविधताओं से भरे मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों में बनाये जाने वाले विशिष्ट व्यंजनों सहित सुपर फूड में %श्रीअन्न% से निर्मित व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे।

### म.प्र. की विरासत को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पुरातत्व विभाग द्वारा बेहतरीन कार्य किया गया है। विभाग प्राचीन जर्जर मंदिरों और देवस्थानों को पुनर्स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने संचालनालय पुरातत्व अभिलेखाकर एवं संग्रहालय द्वारा आयोजित 'मध्यप्रदेश की विरासत' प्रदर्शनी की सराहना की। मध्यप्रदेश उत्सव में लगाई गई प्रदर्शनी में एक ओर गोंड कलाकारों की चित्रकला को सम्मान और दूसरी ओर लगभग 10 हजार वर्ष पुराने भीमबैठका के शैलचित्रों से सबको अवगत कराने का अभिनव प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी के सेल्फी पाइंट में सेल्फी ली। उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए विजिटर बुक में लिखा कि मध्यप्रदेश-उत्सव का आयोजन बहुत बेहतर तरीके से सुयोग्य भाव से प्रदर्शित किया गया है, बधाई ।कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग और अधिकारी व दर्शक भी उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय स्तर पर चयनित शिक्षकों को दी बधाई और शुभकामनाएँ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईटीआई भोपाल के 2 शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयन होने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आईटीआई भोपाल के 2 शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयन होना हमारे लिये अत्यंत हर्ष का विषय है। यह न केवल आपके व्यवसायिक प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास में उत्कृष्टता को मान्यता देता है, बल्कि कड़ी मेहनत और समपर्ण का भी प्रतीक है। साथ ही अन्य सभी शिक्षकों के लिये प्रेरणास्त्रोत है। समस्त प्रदेशवासी आप दोनों के इस अद्वितीय योगदान के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर गौरवान्वित हैं। उल्लेखनीय है कि आईटीआई भोपाल के 2 शिक्षक श्रीमती प्रेमलता राहंगडाले एवं श्री प्रशांत दीक्षित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है। दोनों शिक्षकों को 5 सितम्बर 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सम्मानित किया जायेगा। शिक्षकों को सम्मान स्वरूप 50 हजार रूपये नगद राशि एवं मेडल प्रदान किया जायेगा। श्रीमती राहंगडाले शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में ट्रेड सीओपीए की प्रशिक्षण अधिकारी हैं। श्रीमती राहंगडाले 11 वर्ष से अधिक समय से शिक्षिका हैं। उन्होंने दृष्टिबाधित छात्रों को प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया है। श्रीमती राहंगडाले विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास ही नहीं वरन उनके समग्र विकास पर कार्य करती हैं।

श्री प्रशांत दीक्षित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में ट्रेड मैकेनिक डीजल के एक अनुभवी प्रशिक्षण अधिकारी हैं। उनके विद्यार्थी वर्तमान में भारतीय रेलवे, बीएआरसी और प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कंपनियों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में सेवारत है। उन्होंने प्रशिक्षण की प्रभावी विधियां विकसित कीं, जिससे प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं दोनों को लाभ हुआ। वे न केवल छात्रों को उद्यमशीलता के प्रयासों के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि ई-सामग्री के विकास में भी अग्रणी रहे हैं। कोविड महामारी के बीच, उन्होंने एजुकेशनल वीडियो की एक चेन बनाई जिससे देश भर के लाखों छात्र लाभान्वित हुए। अब डीजीटी के भारत कौशल पोर्टल पर इसका उपयोग किया जा रहा है। श्री दीक्षित ने ऑटोमोटिव लैब विकसित करने, उपकरण और मशीनरी निर्दिष्ट करने में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करके मध्यप्रदेश कौशल विकास परियोजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यावसायिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त, वह अपने प्रशिक्षुओं के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं और यूएनएफपीए के तकनीकी सहयोग से कौशल विकास निदेशालय मध्यप्रदेश के जीवन कौशल कार्यक्रम में शामिल हैं। श्री दीक्षित का समर्पण और अभिनव दृष्टिकोण व्यावसायिक प्रशिक्षण के भविष्य को आकार दे रहा है, उत्कृष्टता को प्रेरित कर रहा है और पूरे देश में कौशल विकास को आगे बढ़ा रहा है।

# पानी के प्रेशर से बैरिकेड से गिरे जीतू पटवारी

## भोपाल में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन,कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बस में ले गई पुलिस

विश्वास का तीर

भोपाल में यूथ कांग्रेस ने एग्जाम में गड़बड़ी, पेपर लीक, नर्सिंग घोटाला, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। शुक्रवार दोपहर को कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता रोशनपुरा चौराहे पर इकट्ठा हुए और सीएम हाउस का घेराव करने आगे बढ़े। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पहले ही बैरिकेड लगाकर रोक दिया। कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी बैरिकेड पर चढ़ गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटन कैनन चलाया। पानी के प्रेशर से जीतू पटवारी बैरिकेड से गिर गए। कुछ कार्यकर्ता भी घायल हो गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस भी छोड़ी। इसके बाद पुलिस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बसों से ले गई। इससे पहले मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, ये सरकार मोहन यादव और बीजेपी की सरकार नहीं माफियाओं की सरकार है। आंदोलन में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव आदि शामिल हुए।

**चाढ़े चार लाख पोस्टकार्ड सीएम को सौंपने जा रहे थे**

मितेंद्र दर्शन सिंह ने बताया, यूथ कांग्रेस ने दो महीने पहले क्या हुआ तेरा वादा अभियान शुरू किया था। इसमें करीब साढ़े चार लाख युवाओं ने पोस्ट कार्ड लिखकर समस्याएं बताई हैं। आज ये पोस्ट कार्ड सीएम डॉ. मोहन यादव को सौंपने जा रहे थे। बता दें, पिछले आठ दिन में कांग्रेस का ये चौथा बड़ा प्रदर्शन है।

**पटवारी बोले- खून की आखिरी बूंद तक संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ी जाएगी**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कार्यकर्ता अपने खून की आखिरी बूंद तक जातिगत जनगणना की लड़ाई लड़ेगा। किसानों की एमएसपी, धान और सोयाबीन के दाम और ढाई लाख नौकरियां जब तक सरकार नहीं देगी, खून की आखिरी बूंद तक संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ी जाएगी। बहनों और दलितों पर अत्याचार इस सरकार में हो रहा है। ये माफिया की सरकार है।

**गुजरात से आई कार्यकर्ता ने कहा-युवाओं के साथ बर्बरता गलत**

गुजरात से प्रदर्शन में शामिल होने आई प्रियंका पटेल ने कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। आंसू गैस के गोले छोड़े। कई साथियों को चोट लग गई। युवाओं को साथ हो रही बर्बरता गलत है। सरकार को इस पर जवाब देना होगा। हम युवाओं के मुद्दे उनके हक की बात रख रहे थे।

**5 साल में 30 हजार अपॉइंटमेंट, जॉइनिंग एक भी नहीं: श्रीनिवास बीवी**

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि हम युवाओं के लिए रोजगार, नौकरी मांग रहे हैं। पिछले पांच साल में 20 एग्जाम हुए। 30 हजार लोगों को अपाइंटमेंट दिया। अब तक एक भी जॉइन नहीं हुआ। सरकार हम पर लाठी चला रही हैं।

**वाटर कैनन की बौछार से बैरिकेड से गिरे जीतू पटवारी**

यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड लगाए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी बैरिकेड पर चढ़ गए। पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। पानी के प्रेशर से पटवारी नीचे गिर गए।

**कांग्रेस विधायक दोगने बोले- कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाया, कुछ कार्यकर्ता घायल**

हरदा से कांग्रेस विधायक आरके दोगने ने कहा कि हमारी सभा हुई। इसके बाद हम शांतिपूर्ण तरीके से सीएम हाउस की ओर जा रहे थे। बेरिकेड से पहले ही रोक लिया गया। वाटर कैनन चलाया गया। आंसू गैस छोड़ी गई। धक्का-मुक्की कर कार्यकर्ताओं को भगाया गया। ये दुर्भाग्य है। हम जनता की मांग लेकर जा रहे थे। सरकार को सुनना चाहिए। जनता की जायज मांगें हैं। किसानों को समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। युवा परेशान है। हम सरकार के सामने शांतिपूर्ण तरीके से बात रखना चाहते थे। भगदड़ में कुछ कार्यकर्ता घायल हो गए। सरकार को लोगों की समस्या का समाधान करना चाहिए।

**वाटर कैनन से कार्यकर्ताओं को पीछे हटा रही पुलिस**

पुलिस ने 7 लेयर की बैरिकेडिंग की है। यूथ कांग्रेस ने जैसे ही पहली लेयर तोड़ी पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर कार्यकर्ताओं को खदेड़ना शुरू कर दिया। बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ रहे यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस फोर्स ने वाटर कैनन चला दिया है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पहली बैरिकेडिंग तोड़ कर आगे बढ़ रहे हैं।

**बीवी श्रीनिवास ने कहा, मुख्यमंत्री शराब का ठेका लेने में व्यस्त**

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा, एक करोड़ से ज्यादा युवा नौकरी के लिए भटक रहा है। 20 एग्जाम कंडक्ट किए 30 हजार नौकरी दी, जिसमें आज तक जॉइनिंग नहीं हुई। इस तरह युवाओं को ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए मजबूर किया। सरकार को शर्म आनी चाहिए। मध्य प्रदेश की सरकार दिल्ली से चलती है। यहां का मुख्यमंत्री शराब का ठेका लेने में व्यस्त है।

**पटवारी बोले- एक मंत्री ऐसा नहीं जो बिना दलाली के काम करता हो**

जीतू पटवारी ने कहा, मोहन सरकार में एक मंत्री ऐसा नहीं, जो बिना दलाली के काम करता हो। लगभग 100 दलाल भोपाल-इंदौर में घूम रहे हैं, जो लैंड यूज चेंज करा रहे। सागर में दलित परिवार के 3 लोग मार दिए। कटनी में दलित को पीटा। छतरपुर में पुलिस पर पत्थर मारने पर घर तोड़ा तो कटनी की टीआई के घर भी बुलडोजर चलना चाहिए। हमने कटनी में उस टीआई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आगे जो बीजेपी की नौकरी करेगा उसके खिलाफ कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क से लेकर कोर्ट तक लड़कर केस दर्ज कराएगा।

**पीसीसी चीफ का सीएम यादव पर हमला**

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, ये सरकार मोहन यादव और बीजेपी की सरकार नहीं ये माफियाओं की सरकार है। दो दिन पहले मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि भारत में रहना है तो राम कृष्ण कहना होगा। मोहन यादव जी कांग्रेस का युवा साथी आपको चुनौती देता है कि आपको मुख्यमंत्री रहना है तो

**हेमंत कटारे ने मंत्री सारंग को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की**

उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने नर्सिंग घोटाले के मामले में मंत्री विश्वास सारंग पर हमला बोला। कटारे ने कहा, विश्वास का नाम अविश्वास सारंग होना चाहिए। नर्सिंग घोटाले में सारे सबूत सारंग के खिलाफ हैं। इन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए।

**आरिफ मसूद ने कहा- जो बिकाऊ थे, वो चले गए**

विधायक आरिफ मसूद ने मंच से कहा, हमारे नेता राहुल गांधी संविधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। ये याद रखना कि यूथ का कांग्रेस का नेता बिकाऊ नहीं है।

# चिता पर जिंदा हुई महिला...

## मुक्तिधाम पर दिया गया सीपीआर; मेडिकल कॉलेज लाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित किया

विश्वास का तीर

शिवपुरी के मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार के लिए महिला के शव को चिता पर रखते ही वह जिंदा हो गई। परिजनों ने हाथ-पैर में मूवमेंट देखा तो सीपीआर देना शुरू कर दिया। इसके बाद तत्काल एंबुलेंस लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना शुक्रवार सुबह की है। महिला की मौत 29 अगस्त शाम 10.30 हुई थी। परिजनों ने महिला के शव का आज अंतिम संस्कार कर दिया है।

**टाइफाइड से परेशान थी महिला**

जानकारी के मुताबिक, शिक्षा विभाग के DEO ऑफिस में लिपिक के पद पर पदस्थ रविंद्र श्रीवास्तव की पत्नी अनिता श्रीवास्तव (56) को पिछले के कुछ दिनों से टाइफाइड हो गया था। बताया गया है कि गुरुवार की शाम महिला की तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन महिला को पहले एक निजी अस्पताल गए। फिर बाद में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां से महिला को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। परिजन महिला को लेकर कल (29 अगस्त) को रात साढ़े दस बजे के करीब मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। यहां डॉक्टरों महिला को मृत घोषित कर दिया था।

**अंतिम संस्कार से पहले शरीर में दिखी हलचल**

बता दें कि अनिता श्रीवास्तव के परिजन शव को उनके निवास शांति नगर ले कर रात 11 बजे पहुंच गए थे। इसके बाद रिश्तेदार जुटना शुरू हो गए थे। सुबह महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए मुक्ति धाम ले जाया गया था। हिन्दू रीती-रिवाजों से दाह संस्कार की तैयारी की जाने लगी थी। इसके बाद शव को दाह के लिए लगाई गईं लकड़ियों की सैया पर लिटाया गया था। इसी दौरान महिला के शरीर में हलचल देखी गई थी। मौके पर मौजूद लोगों की माने तो महिला के शरीर पर पसीना सहित शरीर में हलचल देखी गई थी।

**मुक्ति धाम पर दिया गया सीपीआर**

महिला की सांसे चलने की अफवाह के बाद परिजन भी हरकत में आ गए थे। तत्काल एम्बुलेंस को बुलाया गया था। तब तक महिला की हथेलियों सहित पैरों के पंजों के रगड़ना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही सीपीआर भी दिया गया था। एम्बुलेंस के पहुंचते ही महिला को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था। जहां डॉक्टर ने जांच कर महिला को मृत घोसित कर दिया। बाद में परिजन शव लेकर दोबारा मुक्तिधाम पहुंचे। जहां महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

**डॉक्टर बोले रात में ही घोषित कर दिया था मृत**

महिला की जांच करने बाले मेडिकल कॉलेज के ड्यूटी डॉक्टर उत्सव तिवारी ने बताया कि महिला को मृत अवस्था में मेडिकल कॉलेज लाया गया था। रात में 10 बजकर 41 मिनिट पर परिजन महिला को मृत अवस्था में ही लेकर पहुंचे थे। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि का इस मामले में कहना हैं कि गुरुवार की रात परिजन अनीता श्रीवास्तव को मेडिकल कॉलेज लेकर आए थे। सभी जांचों के बाद मृत पाया गया। ड्यूटी डॉक्टर के अनुसार अनीता को ब्रॉट डेड ही लाया गया था। रात के समय परिजनों को भी बताया गया था। अगले दिन जिस समय बेटा गोलू श्रीवास्तव मां की बॉडी को चिता से उठाकर मेडिकल कॉलेज लाए थे जहां ड्यूटी डॉक्टर ने महिला की ईसीजी कर वापस मृत घोषित किया गया है।

# खनन माफिया के हौसले फिर बुलंद

## भाजपा विधायक के साले को बेरहमी से पीटा, महिला सरपंच से बदसलूकी की

विश्वास का तीर

शहडोल में एक बार फिर खनन माफिया के हौसले बुलंद हैं। ब्यौहारी से भाजपा विधायक शरद कोल के साले पर रेत माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। वहीं दूसरी ओर देवलोंद थाना क्षेत्र के सुखाड़ गांव में रेत ठेकेदार के कर्मचारियों के साथ नकाबपोश बदमाशों ने खनन माफिया के इशारे पर मारपीट कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है। वहीं एक अन्य तीसरी घटना में रेत के अवैध खनन पर विरोध दर्ज कराने वाली महिला सरपंच के साथ भी बदसलूकी हुई है।

**भाजपा विधायक के साले पर हमला**

दरअसल ब्यौहारी विधायक शरद कोल के साले प्रदीप कोल ने गांव से निकलने वाले रेत से लदे भारी वाहनों को लेकर विरोध जताया था। इस पर रेत माफिया ने प्रदीप कोल और अन्य ग्रामीणों के साथ मारपीट कर दी। आरोप है की योगेश चतुर्वेदी, पवन सिंह, मुकेश चतुर्वेदी, सत्यम चतुर्वेदी ने बंदूक की नोक पर मारपीट की। रेत माफिया ने विधायक के साले प्रदीप कोल को पकड़ लिया और जमकर उनके साथ मारपीट की साथ ही उनकी गाड़ी पर डंडों से हमला किया।

**मामले में शामिल आरोपी गिरफ्तार**

घटना में प्रदीप कोल को गंभीर चोट आई है। उपचार के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। थाना प्रभारी अरुण पांडेय ने बताया कि घटना के बाद चारों आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने विभिन्न धाराओं पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

आलेख

# छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दु:खद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था। सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई। छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे। यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है।

## आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

संपादकीय

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग-अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल-बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगह-जगह जारी है। सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हांलाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नहीं होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हांलाकि प्रदेश कैबिनेट में पास किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर फिर विचार होगा। हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आते-आते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा। देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माधूयम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

# टीआई ने नाबालिग को उल्टा लटकाकर पीटा था...

## दादी बोलीं- चल नहीं पा रहा था, 5 दिन अस्पताल में रहा; वीडियो किसने वायरल किया

**विश्वास का तीर**

'पहले मेरे और पोते के साथ थाने में मारपीट की गई। इसके बाद टीआई मैडम पोते को एनकेजे चौकी ले गई, जहां उसे उल्टा लटकाकर रात दो बजे तक मारा। सुबह जब उसे छोड़ा तो वह चलने की हालत में नहीं था। वह पांच दिन तक अस्पताल में भर्ती रहा।'

ये कहना है 55 साल की उस पीड़िता का जिसे जीआरपी टीआई अरुणा वाहने (अब निलंबित) ने थाने में बेरहमी से पीटा था। बताया जाता है कि एनकेजे चौकी अरुणा का टॉर्चर रूम था। यहां वह अक्सर आरोपियों की बर्बर तरीके से पिटाई करती थी। जीआरपी थाने में पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद एसपी जीआरपी ने टीआई अरुणा वाहने सहित 6 लोगों को पहले लाइन अटैच किया और फिर सभी को निलंबित कर दिया। इस मुद्दे पर सूबे की राजनीति भी गरमा गई। कांग्रेस ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर की मांग करते हुए थाने पर प्रदर्शन किया। देर रात को एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। इस वीडियो के सामने आने के बाद सवाल ये खड़ा हुआ है कि पुलिस ने दादी और पोते को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था, फिर उनकी पिटाई क्यों की गई? वहीं पिटाई का वीडियो एक साल पुराना बताया जा रहा है।

**पीड़िता बोली- पूछताछ के लिए थाने बुलाया था और टीआई पीटने लगी**

55 साल की पीड़िता ने बताया कि 29 अक्टूबर 2023 को जीआरपी के पुलिसकर्मी मेरे घर आए और मुझसे बेटे दीपक के बारे में पूछताछ करने लगे। मैंने कहा कि मुझे नहीं पता कि दीपक कहां है। उसके बाद उन्होंने मुझे और पोते को कहा कि थाने चलो, बड़े साहब ने बुलाया है। जब मैं और पोता थाने पहुंचे तो टीआई पूछताछ के बहाने अपने कमरे में ले गईं। उन्होंने भी मुझसे बेटे दीपक के बारे में पूछा, मैंने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह कहां है। उसके बाद टीआई ने दरवाजे-खिड़की बंद किए और प्लास्टिक के डंडे से बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद कुछ और पुलिस वाले कमरे में दाखिल हुए उन्होंने मेरे पोते को पकड़ा और फिर उसकी भी जमकर पिटाई की। मैं पुलिस वालों के आगे हाथ जोड़ती रही, लेकिन उन्होंने कोई रहम नहीं दिखाया।

**थाने में पिटाई के बाद पोते को दूसरी जगह ले गए**

पीड़िता ने बताया कि थाने में कई घंटे तक पिटाई करने के बाद पुलिसवाले उसके पोते को एनकेजे चौकी ले गए। वहां उसे भूखा रखकर और उल्टा लटकाकर लगातार पीटा गया। रात दो बजे तक उसकी पिटाई करते रहे। दूसरे दिन सुबह उसे छोड़ा तो वह चलने फिरने की हालत में नहीं था। पीड़िता ने बताया कि मैं उसे सिविल अस्पताल लेकर गई। वहां डॉक्टरों ने केवल बोतल चढ़ाई, कोई गोली नहीं दी और अस्पताल से छुट्टी कर दी। पीड़िता ने कहा कि उसने जीआरपी टीआई अरुणा वाहने के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव भी बनाया गया। ये भी धमकी दी गई कि पूरे परिवार को गांजा और आर्म्स एक्ट में जेल भिजवा दिया जाएगा।

**कौन है पीड़िता का बेटा दीपक वंशकार**

दरअसल, दीपक वंशकार जीआरपी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। साल 2016 से वह ट्रेन में चोरी और लूट की वारदात को अंजाम दे रहा है। जीआरपी में उसके खिलाफ 13 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कटनी जिले के माधव नगर में एक, रंगनाथ नगर में 2 और कोतवानी थाने में तीन मामले दर्ज हैं। चोरी के मामले में फरार होने के चलते एसपी जीआरपी ने उस पर 10 हजार रु. इनाम का ऐलान किया था। मां और बेटे की पिटाई के बाद पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार किया और अप्रैल में उसे जिलाबदर किया गया। पुलिस का दावा है कि दीपक की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ के आधार पर 20 ग्राम की दो सोने की चूड़ियां, 3 ग्राम के टॉप, 10 ग्राम का हार जब्त किया गया था। वहीं, उसने दो मंगलसूत्र कटनी निवासी पंकज सोनी को बेच दिए। पंकज से पुलिस ने 7.88 ग्राम और 6.3 ग्राम के दोनों मंगलसूत्र जब्त किए थे।

**अब जानते हैं कि 1 साल पुराना वीडियो कैसे वायरल हुआ ?**

कटनी जीआरपी थाने में अरुणा वाहने सहित 85 पुलिसकर्मियों का स्टाफ तैनात है। वायरल वीडियो टीआई के कमरे का है। इसी कमरे की छत पर सीसीटीवी कैमरा लगा है। कैमरे का डीवीआर भी टीआई के ही कमरे में है। इसकी एक चाबी टीआई और दूसरी टेक्निकल स्टाफ के पास रहती है। अब सवाल है कि एक साल पुराना ये वीडियो वायरल कैसे हुआ? इसकी पड़ताल के दौरान दो पहलू सामने आए हैं। पहला टीआई को लेकर थाने के स्टाफ में मतभेद था। एक गुट टीआई को किसी भी तरह से यहां से रवाना करना चाहता था। खुद अरुणा वाहने ने 28 अगस्त को जबलपुर में जीआरपी एसपी की मौजूदगी में आयोजित क्राइम मीटिंग में बताया था कि उन्हें स्टाफ सहयोग नहीं कर रहा है।

**टीआई बोलीं- कुछ दिनों से मुझे ब्लैकमेल किया जा रहा था**

अरुणा वाहने से बात कर जानने की कोशिश की कि आखिर दादी और पोते को पूछताछ के लिए बुलाया था फिर पिटाई की क्या वजह रही। अरुणा ने बताया कि दीपक वंशकार ट्रेन से सामान चुराने के बाद अपनी मां व बेटे के पास छोड़कर फरार हो जाता था। दोनों चोरी का माल बेचते थे। उन्हें इसी सिलसिले में पूछताछ के लिए बुलाया था। इस मामले की पहले भी दो बार शिकायत हो चुकी थी और दोनों बार जांच भी हो चुकी है। अब नए सिरे से मामले को तूल दिया जा रहा है। वहीं, उनसे पूछा कि थाने के सीसीटीवी का वीडियो कैसे वायरल हुआ तो बोलीं- इसके पीछे कुछ लोगों का हाथ है। वे पिछले कुछ दिनों से ब्लैकमेल कर 5 लाख रुपए मांग रहे थे। पैसे नहीं दिए तो ये वीडियो वायरल किया गया। टीआई ने कहा कि स्थानीय पत्रकार दिनेश प्रजापति कुछ दिनों से इस वीडियो का जिक्र कर रहा था। उसने बताया कि वीडियो आरोपी दीपक वंशकार के वकील लीलाधर जाटव के पास है। लीलाधर जाटव का भाई राजेश जाटव कांग्रेस से पार्षद रह चुका है। वह आपकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से कर रहा है। दिनेश ने प्रस्ताव दिया था कि लीलाधर जाटव को 5 लाख रुपए दे दो, जिससे वह अपने किडनी के स्टोन का इलाज करा लेगा। इसके बाद वह वीडियो डिलीट कर देगा। ये भी बता देगा कि ये वीडियो कहां से और किसने दिया है? इसमें जीआरपी थाना कटनी के कौन-कौन पुलिसकर्मी शामिल हैं।

**वकील ने कहा- सीडी कूरियर से मिली थी**

पीड़िता के वकील लीलाधर जाटव से बात की। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले दीपक की मां के घर कूरियर से किसी ने गुमनाम सीडी भेजी थी। वह ये सीडी लेकर मेरे पास आई थी। जब मैंने सीडी देखी तो उसमें टीआई मारपीट करती दिख रही थीं। इसकी शिकायत मैंने सुप्रीम कोर्ट से लेकर पुलिस अधिकारियों तक कई स्तर पर की। जब कहीं से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इसे सोशल मीडिया पर डाल दिया था।

**पत्रकार ने कहा- पैसे मांगने की बात झूठी**

वहीं दिनेश प्रजापति ने बताया कि मेरे पास 10 दिन पहले ये वीडियो आया था। खबर के संबंध में टीआई से बात की, तो उन्होंने 28 अगस्त को थाने के बाहर मिलने बुलाया था। वहां चार और मीडिया वाले मौजूद थे। वो मीडिया वाले ही बोलने लगे कि ये पुराना वीडियो है, इसमें कोई दम नहीं है। दिनेश ने कहा कि टीआई खबर चलाने के बाद इस तरह के आरोप लगा रही हैं। मेरी बीमारी 25 दिन पहले ही ठीक हो चुकी है। मेरी पत्नी खुद नर्स है। पैसे मांगने का आरोप बेबुनियाद है। वह मामले को डायवर्ट करने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही हैं।

**वीडियो के वायरल होने के बाद गरमाई राजनीति**

पुलिस कस्टडी में एक महिला और नाबालिग बच्चे की बर्बरतापूर्ण पिटाई के इस वीडियो के वायरल होने पर सूबे की राजनीति गरमा गई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ और भीम आर्मी के चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी कड़ी निंदा की। पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी 29 अगस्त को खुद इस महिला से मिलने कटनी पहुंच गए। इसके बाद महिला को लेकर रंगनाथ थाने गए। जहां जीआरपी टीआई रहीं अरुणा वाहने सहित सभी 6 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। वे केस दर्ज करने की मांग को लेकर करीब 4 घंटे तक थाने में ही बैठे रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर उज्जैन और दिल्ली के बीच वंदे-भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ओवरनाइट वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से महाकाल की नगरी उज्जैन आने वाले तीर्थ-यात्रियों को महाकाल दर्शन में सुविधा होगी।

# बच्चे न होने से परेशान थी, अस्पताल से बच्ची चुराई

## पुलिस ने 150 सीसीटीवी खंगाले; 7 घंटे की मशक्कत के बाद मिली महिला

**विश्वास का तीर**

बच्चे न होने से परेशान एक महिला दमोह जिला अस्पताल से 4 दिन की बच्ची चुराकर भाग गई। एक नर्सिंग होम के सामने से पड़ोसी को कॉल करके कहा कि उसे बेटी हुई है, ऑटो से आ जाए। ऑटो वाला गया और उसे लाकर घर छोड़ दिया। अब तक अस्पताल से बच्ची चोरी होने की खबर सभी जगह फैल चुकी थी। पुलिस ने दो घंटे में 150 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोपी महिला का रूट ट्रैक किया और एक ऑटो वाले को हिरासत में लिया। पुलिस 7 घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी लक्ष्मी सेन के घर पहुंची और उसे गिरफ्त में ले लिया। बच्ची उसकी मां को सौंप दी है। दरअसल, उमराव गांव की रहने वाली वर्षा आदिवासी ने 26 अगस्त को पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची को जन्म दिया था। बच्ची का स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद 28 अगस्त को उसे दमोह जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसी दिन मां-बेटी को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। वर्षा के साथ पति रूद्र सिंह और ननद सविता भी थे। गुरुवार दोपहर वह वार्ड में अपने पलंग पर बेटी के साथ सो रही थी। वह जागी तो बेटी पलंग पर नहीं थी। उधर, आरोपी लक्ष्मी सेन ने दावा किया है, यह बच्ची मेरी बेटी है। चाहे तो कोई भी जांच करा लो।

**काली साड़ी पहने महिला कर रही थी पूछताछ**

पति ने पूछा तो वर्षा ने बताया था कि दोपहर करीब 3 बजे काले रंग की साड़ी पहने एक महिला मेरे पास आई। वह मुझसे बात करने लगी। बच्ची के बारे में भी जानकारी ले रही थी। मैंने सोचा कि आसपास किसी मरीज की परिचित होगी, इसलिए मैं उससे बात करती रही। पति सामने एक खाली पड़े पलंग पर सो ? रहे थे। ननद बाहर बरामदे में मोबाइल पर बात कर रही थी 1महिला से बात करते-करते मेरी आंख लग गई। वही बच्ची को ले गई होगी।

**ऑटो ड्राइवर ने आरोपी के घर तक पहुंचाया**

लक्ष्मी का आखिरी फुटेज जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश राय के घर के पास दिखा था। इसके आगे के सीसीटीवी कैमरे में वह नहीं दिख रही थी। डॉ. राय के घर के पीछे ही

लक्ष्मी सेन, आरोपी

डॉ. चंदा जैन का क्लीनिक है, जिसे उनके बेटे और बहू चलाते हैं। पुलिस वहां पहुंची। क्लिनिक में लगे कैमरे के फुटेज देखे। इनमें लक्ष्मी मेडिकल दुकान से दूध का पैकेट लेते दिखी। उसके साथ कुछ और लोग थे। इसके बाद सभी एक ऑटो में बैठे और वहां से निकल गए। पुलिस के हाथ एक सुराग लग चुका था। वह था- जिस ऑटो में लक्ष्मी निकली थी, उसका रजिस्ट्रेशन नंबर। इस नंबर के आधार पर पुलिस ने ऑटो चालक लक्ष्मण रजक को ढूंढ निकाला। जो उन्हें लेकर जटाशंकर कॉलोनी में लक्ष्मी के घर पहुंचा। ऑटो ड्राइवर लक्ष्मण रजक आरोपी लक्ष्मी सेन के पड़ोस में ही रहता है। उसने बताया- गुरुवार दोपहर को मैं घर में सो रहा था। लक्ष्मी का एक परिचित आया। कहा- मौसी के यहां बेटी हुई है, उसे लेने डॉ. चंदा जैन के क्लीनिक चलना है। मैं ऑटो लेकर नर्सिंग होम पहुंच गया।

# 3 महीने की बेटी को डुबोकर मार डाला

## इंदौर में अंडरग्राउंड टंकी में मिला शव; पत्नी के चरित्र पर शक करता था

विश्वास का तीर

इंदौर में 3 महीने की बच्ची की उसी के पिता ने ही हत्या कर दी। गुरुवार देर रात पत्नी के पास सो रही बच्ची को उठाया और अंडरग्राउंड टंकी में फेंक दिया। शुक्रवार सुबह टंकी में शव मिला। बच्ची के पेट पर उंगलियों के गहरे निशान भी पाए गए। मामला सामने आने पर बच्ची के पिता कालू ने कहा था कि रात को फुटपाथ पर सोने वाले पड़ोसी से हुआ था। उसने हत्या का शक जताया था। हालांकि, पुलिस पूछताछ के बाद पिता ने बेटी की हत्या करना कबूल लिया है। मामला खजराना मंदिर इलाके में शुक्रवार सुबह का है। बच्ची के माता-पिता फुटपाथ पर रहकर खजराना गणेश मंदिर परिसर के बाहर हार-फूल बेचते हैं। पिता को यह शक था कि ये बच्ची उसकी संतान नहीं है। इसे लेकर पत्नी से अकसर विवाद होता था।

### विवाद की कहानी सुनाकर गुमराह किया था

अंडरग्राउंड टंकी में बच्ची का शव मिलने के बाद पिता ने पुलिस को बताया था कि गुरुवार रात बच्ची को लेकर सोने जा रहे थे। इसी दौरान वहीं सोने वाले एक शख्स से उनका विवाद हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करके मामला शांत कराया। शुक्रवार तड़के पति-पत्नी उठे तो बच्ची पास में नहीं थी। ढूंढने पर पानी के अंडरग्राउंड टैंक में अचेत हालत में मिली। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका जताई कि डूबने से मौत हुई होगी।

### बच्ची को लेकर पति-पत्नी आपस में झगड़ते हैं

एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने कहा- सुबह शव मिलने के बाद परिवार के बयान के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया था। बाद में यह पता चला है कि बच्ची के माता-पिता दोनों ही आपस में झगड़ते हैं। सीसीटीवी भी देखा गया है।

### मां ने कहा था- खुद चलकर नहीं जा सकती

शुक्रवार सुबह अपने बयान में मां ने पुलिस को बताया- 3 महीने की बच्ची घुटने के बल भी नहीं चल सकती तो टंकी तक पहुंचने का सवाल ही पैदा नहीं होता। रात में हुए विवाद के कारण ही कुछ लोगों ने मिलकर बच्ची को उसकी मां के पास से उठाया और टंकी में डुबोकर मार दिया। तब उसे यह नहीं पता था कि हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसी का पति है।

### बच्ची के पेट पर मिले उंगलियों के निशान

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने पुलिस को बताया- बच्ची तीन माह की थी। उसकी त्वचा बहुत नाजुक थी। पेट पर उंगलियों के निशान मिले हैं। उसे जोर से पकड़ा गया था।

# पत्नी से मोटी भैंस कहता था...

## 4 बेटियों को ले भांजे के साथ चली गई; पति बोला- वो पत्नी से हंस-हंस कर बात करता था, उससे ये उम्मीद नहीं थी

विश्वास का तीर

अपनी चार बेटियों को लेकर भांजे के साथ गई महिला के मामले में नया खुलासा हुआ है। महिला की एक बेटी को पुलिस ने भोपाल से बरामद कर लिया है। महिला तीन बेटियों के साथ भोपाल से राजस्थान और यहां से दिल्ली पहुंच गई है। दिल्ली में वो कहां और किसके साथ है, यह अभी पता नहीं चल पाया है। मामला जबलपुर के बेलखेड़ा थाना के कुसली गांव का है। जिस भांजे के साथ महिला गई थी, उसकी भी तलाश जबलपुर पुलिस आज तक नहीं कर पाई है। इधर, महिला के पति महेंद्र ने गुरुवार को अपने भांजे के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। महेंद्र का कहना है कि पत्नी ममता और बच्चियों को मेरा भांजा धोखे से अपने साथ लेकर गया है। मुझे लगता है कि उनके साथ कुछ अनहोनी हो गई है। ये सोच-सोच कर डर लग रहा है। गुरुवार को महेंद्र वंशकार एक बार फिर से जबलपुर में पत्नी और भांजे की शिकायत करने एसपी आफिस पहुंचा। भांजे का नाम दुर्गेश है। नरसिंहपुर के सर्रा गांव में उसका घर है। कुछ माह से वो जब कभी भी घर आता, पत्नी और बच्चियों से हंस-हंस कर बात करता था। सोचा नहीं था कि वह ऐसा भी कर सकता है।

### अब पढ़िए क्या है पूरा मामला

कुसली गांव में रहने वाले 46 वर्षीय महेंद्र वंशकार ने बताया कि 18 साल पहले उसकी शादी नरसिंहपुर निवासी ममता (38) से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों में विवाद होता आ रहा था। उसकी चार बेटी हैं। पिछले महीने 17 जुलाई को वह काम से जबलपुर आया। शाम को घर गया तो देखा कि चार बच्ची और पत्नी गायब है। घर का दरवाजा बाहर से बंद था। पांचों को पूरे गांव में तलाश किया। इस दौरान गांववालों ने बताया कि दोपहर को उसकी पत्नी और बेटियां, भांजे दुर्गेश के साथ गांव से बाहर जाते हुए दिखे थे। महेंद्र ने दुर्गेश को कॉल करा, उसने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद वो दुर्गेश के सर्रा गांव पहुंचा। वो वहां नहीं मिला। इसके बाद उसने पत्नी ममता के साथ बेटी सोनम (17), शिवानी (15), साक्षी (12) और आनिया (07) के लापता

होने की रिपोर्ट बेलखेड़ा थाने में दर्ज कराई।

### 11 दिन बाद पुलिस को मिला सुराग

महिला और चार लड़कियों के लापता होने की जानकारी लगते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने टीम बनाकर कई जगह दबिश दी। पुलिस दुर्गेश के घर पर भी पहुंची। वहां उसका बड़े भाई मनोज मिला। उसने पुलिस को बताया कि दुर्गेश बीते तीन-चार दिन से घर नहीं आया। पुलिस मां-बेटी और दुर्गेश को जबलपुर और आसपास के जिलों में तलाशने में नाकाम रही। उसके पास ममता और दुर्गेश के मोबाइल नंबर थे। पुलिसकर्मी इन नंबर पर फोन लगाते लेकिन ये हमेशा बंद आ रहे थे। 11 दिन बाद 28 जुलाई की रात दुर्गेश की फोन की लोकेशन भोपाल में मिली।

### इससे पहले शिंदे-फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके; 26 अगस्त को मूर्ति गिरी थी

# शिवाजी प्रतिमा गिरने पर मोदी बोले- मैं माफी मांगता हूं

विश्वास का तीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। पालघर के सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने सिंधुदुर्ग में 26 अगस्त को शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले पर माफी मांगी। मोदी ने कहा- छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे और मेरे दोस्तों के लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक महाराजा नहीं हैं। हमारे लिए वे पूजनीय हैं। आज मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के सामने नतमस्तक हूं और उनसे क्षमा मांगता हूं। प्रधानमंत्री से पहले महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके हैं। सीएम के कार्यक्रम से पहले मुंबई में मूर्ति गिरने को लेकर विपक्ष के नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को नजरबंद भी किया है।

**मोदी ने वधावन पोर्ट का उद्घाटन किया**

पालघर में पीएम मोदी ने सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसमें वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा- महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र विरोधी दलों ने आपके विकास पर हमेशा ब्रेक लगाने की कोशिश की। मोदी ने कहा- हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी, इसके लिए महाराष्ट्र का पालघर ही सबसे उपयुक्त जगह है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को 60 वर्षों तक लटका कर रखा गया। इतने जरूरी काम को कुछ लोग शुरू नहीं होने दे रहे थे।

**फिशिंग प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास**

मोदी ने पालघर में लगभग 1,560 करोड़ रुपए की लागत से 218 फिशिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। इसका उद्देश्य फिशिंग सेक्टर में इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोडक्टिविटी को बढ़ावा देना है। अधिकारियों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की मदद से फिशिंग सेक्टर में 5 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। वहीं पीएम मोदी ने करीब 360 करोड़ रुपए की लागत से नेशनल रोल आउट ऑफ वेसल कम्युनिकेशन एंड सपोर्ट सिस्टम का शुभारंभ किया। इसके जरिए 13 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मशीन और मोटर से चलने वाली मछली पकड़ने के जहाजों पर 1 लाख ट्रांसपोंडर लगाए जाएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण पिछले साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया गया था। इस प्रतिमा को लगाने का मकसद, छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत और मराठा नौसेना के आधुनिक भारतीय नौसेना के साथ ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करना था। प्रतिमा का अनावरण 4 दिसंबर को नरेंद्र मोदी ने किया था।

**मोदी ने मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा- AI के दुरुपयोग को लेकर चिंतित हूं**

पालघर से पहले मोदी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा- **AI** के दुरुपयोग को लेकर चिंतित हूं। इसके एथिकल यूज के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क बनाया जाएगा। ग्लोबल फिनटेक कार्यक्रम 28 से 30 अगस्त तक आयोजित हुआ। इसमें 800 से ज्यादा स्पीकर और 80,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। RBI गवर्नर शक्तिकांत दास और SEBI प्रमुख माधवी पुरी बुच भी कार्यक्रम में पहुंचीं।

## मोदी के 28 मिनट के भाषण की बड़ी बातें...

◆पिछले 10 साल में फिनटेक स्पेस में 31 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है। 10 साल में हमारे फिनटेक स्टार्टअप में 500% वृद्धि हुई है। सस्ते फोन-डेटा और जीरो बैलेंस बैंक खातों ने कमाल कर दिया है।

◆एक दशक में ही भारत में ब्रॉडबैंड यूजर 6 करोड़ से बढ़कर करीब 94 करोड़ हो गए हैं। आज 18 साल से ऊपर का शायद ही कोई भारतीय हो, जिसके पास उसकी डिजिटल आइडेंटिटी यानी आधार कार्ड न हो।

◆2 दिन पहले ही जन धन योजना के 10 साल पूरे हुए हैं। जन धन योजना महिला सशक्तिकरण का माध्यम बनी है। योजना में करीब 29 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खुले हैं।

◆मुद्रा स्कीम के अंतर्गत अब तक करीब 27 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा का क्रेडिट दिया जा चुका है। इस योजना के लाभार्थियों में लगभग 70% महिलाएं हैं।

◆मैं **AI** के दुरुपयोग से जुड़ी आपकी चिंताओं को भी समझता हूं। इसलिए भारत ने **AI** के एथिकल यूज के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क बनाने का भी आह्वान किया है।

# झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल

विश्वास का तीर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बीजेपी में शामिल हो गए। रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार (30 अगस्त) को उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चंपाई सोरेन के आने से भाजपा मजबूत होगी। टाइगर अभी जिंदा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि JMM अब पति-पत्नी और दलालों की पार्टी रह गई है। वहीं, चंपाई सोरेन ने कहा कि मैं दिल का साफ हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था मेरी जासूसी होगी। जिसने झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी उसके पीछे जासूस लगाया। उस दिन के बाद हमने फैसला लिया कि दल में जाएंगे, जनता की सेवा करेंगे। चंपाई ने बुधवार, 28 अगस्त को देर शाम झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा था, हमने जो भी फैसला लिया है, झारखंड के हित में लिया है। हम संघर्ष करने वाले व्यक्ति हैं, पीछे नहीं हटेंगे। पार्टी हमें जो भी दायित्व देगी, उसी हिसाब से हम काम करेंगे। झारखंड में विकास के साथ-साथ आदिवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए हम कदम उठाएंगे। चंपाई सोरेन के पार्टी छोड़ने के एक दिन के अंदर ही झारखंड कैबिनेट में दूसरे मंत्री को जगह मिल गई है। चंपाई सोरेन की जगह रामदास सोरेन ने मंत्री पद की शपथ ली।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आर्पफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल ( म. प्र. ) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल ( म.प्र. ) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 ( प्रति शुक्रवार को प्रकाशित ) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। ( सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। ) RNI.NO MPHIN/2022/83636